विद्या भवन बालिका विद्यापीठ। सरिता कुमारी

शक्ति उत्थान आश्रम -811311 लखीसराय। **दिनांक ३०-३-२०२०**

पठन सामग्री वर्ग दशम

विषय हिंदी

क्षितिज काव्य खंड पाठ 1

सूरदास के पद

- कवि परिचय-

सूरदास का जन्म सन 1478 ईस्वी में हुआ।

देहावसान सन 1583 में हुआ।

उनके रचनाओं के नाम -सूरसागर साहित्य लहरी और सूरसारावली।

सर्वाधिक लोकप्रिय -सूरसागर। शक्ति

भाषा -ब्रजभाषा।

सूरदास की यह रचना कृष्ण और गोपियों का सहज मानवीय प्रेम की प्रतिष्ठा करता है।

पद एक

उधो तुम हो अति बड़भागी

अपरस रहत सनेह लगाते हैं, नाहीन मन अनुरागी।

पूरइन पात् रहत जल भीतर ,तारस देह न दागी।

जो जल माह तेल की गागरि, बूंद न ताको लागी।

प्रीति नदी में पाउ ना बोरियों, दृष्टि न रूप परागी।

सूरदास अबला हम भोरी गुड़ चाटी जो पागी।।

प्रसंग-----

सूरसागर के भ्रमरगीत का यह अंश है। श्री कृष्ण मथुरा के राजा थे। राज का संभाला करते थे। व्यस्ततम जीवन जीते थे ।वह गोपियों से मिल नहीं पाते थे ।ऐसे में अपने मित्र उद्धव को भेजा कि अपने निर्गुण ब्रह्म एवं योग का उपदेश देकर गोपियों की विरह वेदना को शांत करें। गोपियों के प्रेम मार्ग पर ज्ञान मार्ग शुष्क पड़ गया। तभी एक भंवरा आ पहुंचा यहीं से भ्रमरगीत का आरंभ होता है।

भावार्थ-----

उद्धव का गोपियों के पास जाने पर गोपियां उन पर व्यंग्य भांग छोड़ती हैं और कहती हैं आप बड़े भाग्यशाली हैं ।श्री कृष्ण के करीब रहने के बावजूद भी आप उनके स्नेह के धागे से स्पर्श रहित हैं। जिस तरह कमल का पता पानी में रहकर भी उसकी बूंद का उस पर कोई असर नहीं होता है जिस तरह तेल की गगरी को पानी में डालने पर भी पानी का असर उस पर नहीं पड़ता है ठीक उसी प्रकार तुम हो जो श्री कृष्ण के सानिध्य में रहने पर भी उसके स्नेही के धागे से अछूते हैं उनके प्रेम रूपी नदी मैं आपके पैर नहीं पड़े हैं। कभी स्वयं को गोपियां मानकर करते हैं कि वह अबला है वह श्री कृष्ण के प्रेम में इस प्रकार सराबोर हैं मानो व श्रीकृष्ण रूपी गुड में लिपटी वे चीटियां हो जिससे वह अपने आप को अलग नहीं कर सकती।

शब्दार्थ---

बड़भागी -भाग्यशाली

अपरस- स्पर्श रहित

पुरइन पात -कमल का पत्ता

बोरिओ- डूबना

अबला- कमजोर

चाटी-चींटी

पागी-लिपटा हुआ।

छात्र कार्य--

* दिए गए पंक्ति को ध्यानपूर्वक पढ़कर उनके भावार्थ को समझें।

* शब्दार्थ याद कर लिखें।

* दिए गए प्रश्नों के उत्तर दें।

प्रश्न एक- गोपियां उधार को भाग्यशाली क्यों कहते हैं?

प्रश्न दो -किन-किन उदाहरणों के माध्यम से गोपियां उधर पर व्यंग्य करती हैं?

प्रश्न तीन- गोपियां अपने आप को अबला क्यों मांगती थी?

श्री कृष्ण के प्रेम को उन्होंने किस उदाहरण द्वारा अभिव्यक्त किया है?